मन लागो मेरो यार फकीरी में

मन लागो मेरो यार फकीरी में ।

जो सुख पावो राम भजन में,
सो सुख नाही अमीरी में ॥

भला बुरा सब का सुन लीजै,
कर गुजरान गरीबी में ॥

प्रेम नगर में रहिनी हमारी,
भली बन आई सबुरी में ॥

हाथ में खूंडी, बगल में सोटा,
चारो दिशा जागीरी में ॥

आखिर यह तन ख़ाक मिलेगा,
कहाँ फिरत मगरूरी में ॥

कहत कबीर सुनो भाई साधो,
साहिब मिले सबुरी में ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/318/title/man-laago-mero-yaar-fakiri-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |